DR. RADHA KRISHAN DHIMAN

Dr. Radha Krishan Dhiman is an eminent hepatologist and currently the Director of Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences (SGPGIMS), Lucknow and Director of Kalyan Singh Superspecialty Cancer Institute, Lucknow.

2. Born on 4th June, 1960, Dr. Dhiman received his M.B.B.S. and M.D. in Medicine from King Georges Medical College, Lucknow in 1984 and 1987 respectively, Doctorate in Medicine (DM, Gastroenterology) from SGPGIMS, Lucknow in 1991. He subsequently joined prestigious Postgraduate Institute of Medical education and Research (PGIMER), Chandigarh as Assistant Professor in Hepatology and went on to become Professor and Head of the Department, before he moved to SGPGIMS, Lucknow in 2020. He has been bestowed Fellow from several National and International Institutions.

3. Dr. Dhiman started first ever DM in Hepatology in the country, along with Liver ICU for sick patients and initiated the liver transplantation program at PGIMER, Chandigarh. He devised a cost-effective treatment algorithm for hepatitis C. The primary care physicians and pharmacists were trained to treat hepatitis persons in all 22 district hospitals and 3 Government Medical Colleges across Punjab. Encouraged by the success in Punjab, Government of India launched the National Viral Hepatitis Control Program (NVHCP) in 2018 with provision of free diagnosis and treatment for viral hepatitis through the National Health Mission. Dr Dhiman has been the Chairman of Technical Resource Group (TRG) of NVHCP and was Scientific Advisor to Hepatitis C Control Program in the Injection Safety, Punjab, and member of "Coalition for Global Hepatitis Elimination (CGHE)". In the capacity of Chairman, Injection Safety in Punjab, Dr Dhiman guided the introduction of Re-Use Prevention (RUP) syringes in all government hospitals in Punjab.

4. Dr. Dhiman contributed significantly to fight against Covid in UP. He is the Chairman of the UP State Advisory Boards on Covid management and Covid-Associated Mucormycosis. He provided guidance and assistance in strategic planning, implementation, and management of COVID in UP in micro-containment, stricter CAB discipline and enforcement, enhanced RT-PCR testing, serosurveillance and genomic sequencing. Strategies employed in UP in fight against COVID have been well appreciated by WHO, Australia, NITI Ayog and media.

5. Dr. Dhiman has also been front runner in promoting the organ donation. With all his efforts, the "Pledging for Organ donation" on driving license in Chandigarh UT became a reality and Chandigarh became the 2nd State/UT for Organ Donation in India. He was the President of the prestigious International Society on Hepatic Encephalopathy and Nitrogen Metabolism (ISHEN) for 6 consecutive years from 2012 to 2019, Secretary, Indian National Association for the Study of Liver (INASL) for 3 consecutive years – 2016, 2017 and 2018; he is now the President of the same society. He was Editor-in-Chief of Journal of Clinical & Experimental Hepatology *(JCEH)* for 10 years – 2011 to 2020. He was Governor of ACG for 6 consecutive years - 2011 to 2017.

6. Dr. Dhiman is recipient of numerous National and International awards and honours such as Dr BC Roy National Award, (2008), 4-times Indian Council of Medical Research (ICMR) awards; "Basanti Devi Amir Chand Prize" in 2009, "Amrut Modi Unichem Prize" in 2007, "Shakuntala Amir Chand Award" in 1997 and "Dr DV Datta Memorial Oration Award" in 1996. He received Harold O Conn Award by AASLD, and several other international awards.

डॉ. राधा कृष्ण धीमन

डॉ. राधा कृष्ण धीमन एक प्रख्यात हेपेटोलॉजिस्ट हैं और वर्तमान में संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआईएमएस), लखनऊ और कल्याण सिंह सुपरस्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट, लखनऊ के निदेशक हैं।

2. दिनांक 4 जून, 1960 को जन्मे, डॉ. धीमन ने वर्ष1984 और वर्ष 1987 में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ से क्रमशः एम.बी.बी.एस. और एम.डी. तथा वर्ष 1991 में एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ से मेडिसिन में डॉक्टरेट (डीएम, गैस्ट्रोएंट्रो लॉजी) की उपाधि प्राप्त की। उसके पश्चात वह प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ में हेपेटोलॉजी में सहायक प्रोफेसर के रूप में पदभार संभाला और वर्ष 2020 में एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में स्थानांतरित होने से पहले प्रोफेसर और विभाग के प्रमुख भी बने। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने फेलो के रूप में सम्मानित किया है।

3. डॉ. धीमन ने बीमार रोगियों के लिए लिवर आईसीयू के साथ देश में पहली बार डीएम हेपेटोलॉजी शुरू की और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में यकृत प्रत्यारोपण कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने हेपेटाइटिस सी के लिए एक लागत–प्रभावी उपचार एल्गोरिदम का आविष्कार किया। प्राथमिक उपचार चिकित्सकों और फार्मासिस्टों को पंजाब के सभी 22 जिला अस्पतालों और 3 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में हेपेटाइटिस से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज का प्रशिक्षण दिया गया था। पंजाब में इसकी सफलता से प्रोत्साहित होकर, भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से वायरल हेपेटाइटिस के निःशुल्क निदान एवं उपचार का प्रावधान करते हुए वर्ष 2018 में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) शुरू किया। डॉ. धीमन एनवीएचसीपी के टेक्निकल रिसोर्स ग्रुप(टीआरजी) के अध्यक्ष रहे हैं और वह पंजाब में हेपेटाइटिस–सी नियंत्रण कार्यक्रम के वैज्ञानिक सलाहकार, इंजेक्शन सेफ़्टी,पंजाब के अध्यक्ष और "वैश्विक हेपेटाइटिस उन्मूलन गठबंधन (सीजीएचई)" के सदस्य रहे थे। पंजाब में इंजेक्शन सेफ़्टी के अध्यक्ष की हैसियत से, डॉ. धीमन ने पंजाब के सभी सरकारी अस्पतालों में री–यूज़ प्रिवेंशन (आरयूपी) सिरिंज की शुरुआत हेतु मार्गदर्शन दिया।

4. डॉ. धीमन ने उत्तर प्रदेश में कोविड के विरुद्ध लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह कोविड मैनेजमेंट एंड कोविड एसोशिएटेड म्यूकोर्मिकोसिस राज्य सलाहकार बोर्ड,उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में माइक्रो–कंटेनमेंट, सख्त सीएबी अनुशासन एवं प्रवर्तन, अभिवृद्धित आरटी–पीसीआर टेस्ट, सेरोसर्विलेंस और जीनोमिक सीक्वेंसिंग में कोविड की रणनीतिक आयोजना, उसके कार्यान्वयन और प्रबंधन में मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान की। कोविड के विरुद्ध लड़ाई में उत्तर प्रदेश में नियोजित रणनीतियों विश्व स्वास्थ्य संगठन, आस्ट्रेलिया,नीति आयोग और मीडिया द्वारा काफी सराहना की गई है।

5. डॉ. धीमन अंगदान को बढ़ावा देने में भी आगे रहे हैं। उनके समग्र प्रयासों से, चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में ड्राइविंग लाइसेंस पर "अंगदान के लिए प्रतिज्ञा" एक वास्तविकता बन गई और चंडीगढ़ भारत में अंगदान करने वाला दूसरा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र बन गया। वह वर्ष 2012 से वर्ष 2019 तक लगातार 6 वर्षों तक प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सोसाइटी हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी एंड नाइट्रोजन मेटाबोलिज्म (आईएसएचईएन) के अध्यक्ष, लगातार 3 वर्षों अर्थात वर्ष 2016, 2017 और 2018 के लिए इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लिवर (आईएनएएसएल) के सचिव और वर्तमान में वह उसी सोसाएटी के अध्यक्ष हैं। वह 10 वर्षों अर्थात वर्ष 2011 से वर्ष 2020 तक जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी (जेसीईएच) के प्रधान संपादक थे। वह लगातार 6 वर्षों अर्थात वर्ष 2011 से वर्ष 2017 तक एसीजी के गवर्नर थे।

6. डॉ. धीमन को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जैसे कि डॉ. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार,(2008), 4 बार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) पुरस्कार; वर्ष 2009 में "बसंती देवी अमीर चंद" पुरस्कार, वर्ष 2007 में "अमृत मोदी यूनिकेम" पुरस्कार, वर्ष 1997 में "शकुंतला अमीर चंद पुरस्कार" और वर्ष 1996 में "डॉ. डी.वी. दत्ता मेमोरियल ओरेशन अवार्ड"। उन्हें एएएसएलडी द्वारा हेरोल्ड ओ कॉन पुरस्कार और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए ।